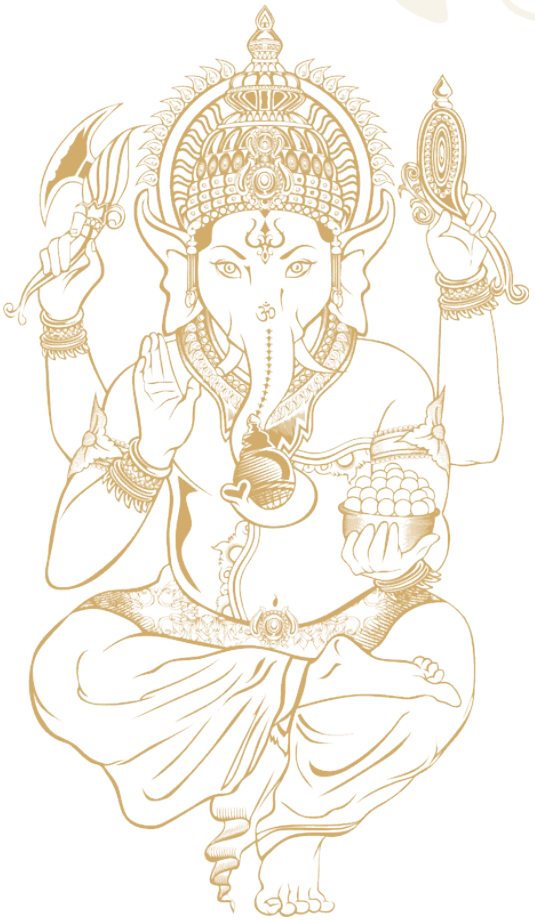

29 Jan 1998

08:16 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121131802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/01/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:16:00 घंटे**
इष्ट	32:45:36 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:58:36 घंटे
वेलान्तर	-00:13:06 घंटे
साम्पातिक काल	04:33:12 घंटे
सूर्योदय	07:09:45 घंटे
सूर्यास्त	17:51:33 घंटे
दिनमान	10:41:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:39:51 मकर
लग्न के अंश	17:18:00 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गेंदा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:18:00	312:17:33	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			मक	15:39:51	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	04:06:53	14:37:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	09:30:02	00:47:18	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			धनु	29:57:30	01:31:19	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	04:47:43	00:14:03	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र	व		धनु	25:43:17	00:17:48	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	21:25:45	00:04:29	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	16:54:55	00:01:19	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	16:54:55	00:01:19	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	14:55:14	00:03:31	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:11:22	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:45:45	00:01:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	16:06:44	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:45

लग्न-चलित

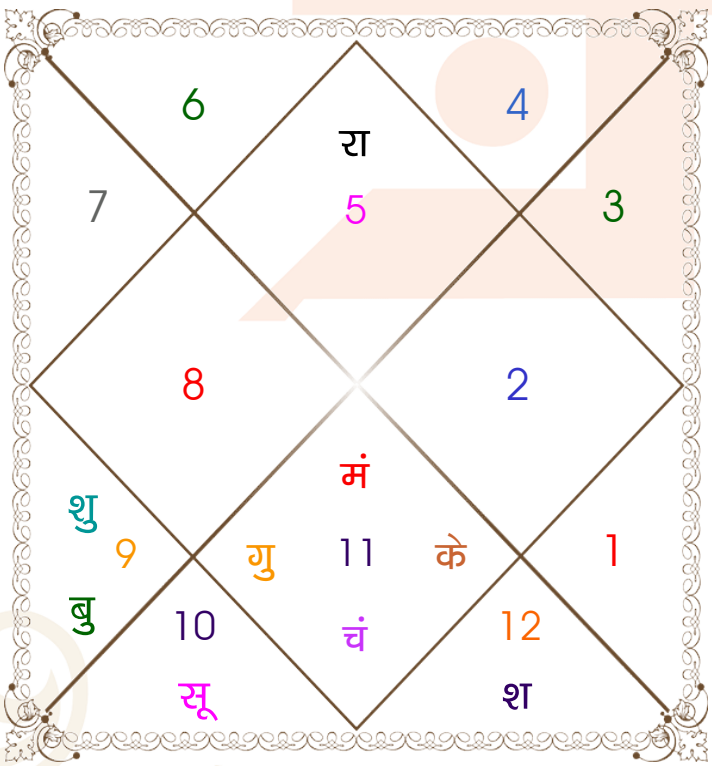

चन्द्र कुंडली

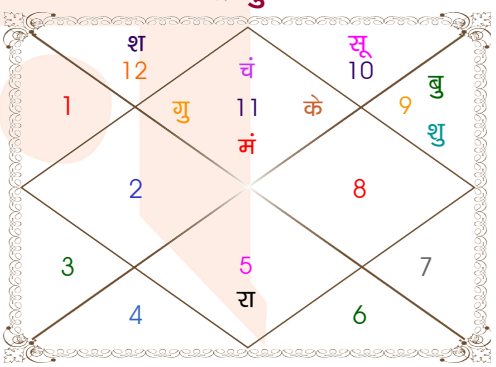

नवमांश कुंडली

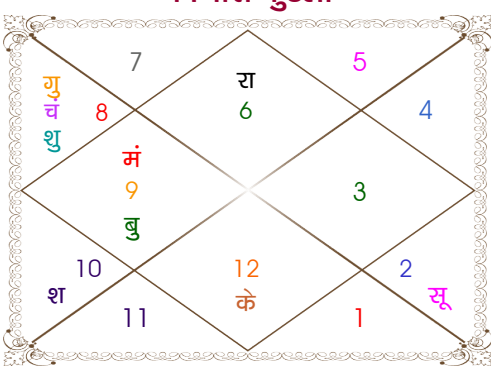

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 4 मास 2 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/01/1998		03/06/1999		02/06/2017		02/06/2033		02/06/2052	
03/06/1999		02/06/2017		02/06/2033		02/06/2052		02/06/2069	
	00/00/0000	राहु	13/02/2002	गुरु	21/07/2019	शनि	05/06/2036	बुध	30/10/2054
	00/00/0000	गुरु	08/07/2004	शनि	01/02/2022	बुध	13/02/2039	केतु	27/10/2055
	00/00/0000	शनि	15/05/2007	बुध	09/05/2024	केतु	24/03/2040	शुक्र	27/08/2058
	00/00/0000	बुध	02/12/2009	केतु	15/04/2025	शुक्र	25/05/2043	सूर्य	03/07/2059
	00/00/0000	केतु	20/12/2010	शुक्र	15/12/2027	सूर्य	06/05/2044	चंद्र	02/12/2060
	29/01/1998	शुक्र	20/12/2013	सूर्य	02/10/2028	चंद्र	05/12/2045	मंगल	29/11/2061
शुक्र	27/06/1998	सूर्य	14/11/2014	चंद्र	01/02/2030	मंगल	14/01/2047	राहु	17/06/2064
सूर्य	02/11/1998	चंद्र	15/05/2016	मंगल	08/01/2031	राहु	20/11/2049	गुरु	23/09/2066
चंद्र	03/06/1999	मंगल	02/06/2017	राहु	02/06/2033	गुरु	02/06/2052	शनि	02/06/2069

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/06/2069		02/06/2076		02/06/2096		03/06/2102		03/06/2112	
02/06/2076		02/06/2096		03/06/2102		03/06/2112		00/00/0000	
केतु	29/10/2069	शुक्र	02/10/2079	सूर्य	20/09/2096	चंद्र	04/04/2103	मंगल	30/10/2112
शुक्र	29/12/2070	सूर्य	02/10/2080	चंद्र	21/03/2097	मंगल	03/11/2103	राहु	18/11/2113
सूर्य	06/05/2071	चंद्र	02/06/2082	मंगल	27/07/2097	राहु	04/05/2105	गुरु	25/10/2114
चंद्र	05/12/2071	मंगल	03/08/2083	राहु	21/06/2098	गुरु	03/09/2106	शनि	03/12/2115
मंगल	03/05/2072	राहु	02/08/2086	गुरु	09/04/2099	शनि	03/04/2108	बुध	30/11/2116
राहु	21/05/2073	गुरु	02/04/2089	शनि	22/03/2100	बुध	03/09/2109	केतु	28/04/2117
गुरु	27/04/2074	शनि	02/06/2092	बुध	26/01/2101	केतु	04/04/2110	शुक्र	30/01/2118
शनि	06/06/2075	बुध	03/04/2095	केतु	03/06/2101	शुक्र	03/12/2111		00/00/0000
बुध	02/06/2076	केतु	02/06/2096	शुक्र	03/06/2102	सूर्य	03/06/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।